(suppress) किया जा रहा है । मैं नहीं समझता कि उनके सपरैशन के क्या माने हैं । मैं उन से मालूम करना चाहता हूं कि वहां पर किसको सपरैस किया गया है । क्या वह आई० एन० ए० वालों के बारे में कह रहे हैं कि उनको सपरैस किया गया है । तो मैं उनके सामने एक मिसाल नहीं कितनी ही मिसालें दे सकता हूं जिससे उनका यह बयान बिल्कुल गलत साबित हो सकता है । आज हमारे बीच में शाहनवाज और श्री भोसले मौजूद नहीं हैं क्या वह इसी को सपरैशन कहते हैं । ये लोग ही नहीं और बहुत से हमारे आई० एन० ए० वाले आज बड़े २ ओहदों में काम कर रहे हैं, जैसा कि अभी हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी ने कहा । मगर फिर भी हमारे रेड्डी साहब कहते हैं कि यह सरकार आई० एन० ए० वालों को सपरैस कर रही है और यह "गाड्स ट्रूथ" (God's Truth) है ! मगर मैं समझता हूं कि उनका यह कहना कि हमारी सरकार पैट्रीएटस को सपरैस कर रही है सच्चाई से दूर है ।

दूसरी बात जो उन्होंने फरमाई वह यह है कि जो प्लैज (pledge) इस विषय में दिये गये थे वह इस सरकार ने पूरे नहीं किये । मगर उन्होंने इस बारे में एक भी मिसाल हम लोगों के सामने पेश नहीं की कि इस सरकार ने कहां पर और कैसे किसी प्लैज को तोड़ा है । यह सब को मालूम है कि कांग्रेस ने आई० एन० ए० वालों के साथ हमदर्दी की और आज भी हमदर्दी रखती है और आगे भी जितना उससे हो सकेगा उनकी मदद करती जायगी उसने जो भी प्लैज उनके साथ किया है वह बराबर निभाती रही है और फिर यह कहना कि इस सरकार ने वायदा तोड़ा है और उनकी किसी प्रकार मदद नहीं की बिल्कुल गलत बात है ।

एक चीज उन्होंने यह भी कही कि यह सरकार दूसरी राजनैतिक लोगों को और सैनिकों को हजारों एकड़ जमीन दे रही है । मैं नहीं जानता कि वह किस प्रान्त में और किस देश में इस तरह की जमीन दी जा रही है। वह यहां पर जोरों के साथ कहते हैं कि आई० एन० ए० वालों के साथ सपरैशन किया जा रहा है मगर वह इस तरह की कोई भी मिसाल पेश नहीं करते हैं । यह हाउस और हम भी उन से यह पूछने का हक रखते हैं कि वह हम लोगों के सामने बतलायें और मिसाल पेश करें । वह यहां पर जोर २ से कहते हैं कि हजार हजार एकड़ जमीन राजनैतिक कैदियों और दूसरे लोगों को दी गई जिन्होंने इस देश की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया मगर उन्होंने इस बात की एक भी मिसाल पेश नहीं की कि किस प्रान्त में जमीनें दी गई ।

SHRI S..N. DWIVEDY:

श्री एस० एन० द्विवेदी : मद्रास में दी गई हैं ।

SHRt **ONKAft NATRi**

श्री ओंकार नाथ : यह बात ठीक है कि कुछ लोगों को जमीनें दी गई हैं मगर जैसा कि अभी हमारे प्रधान मंत्री जी ने बताया है कि आई० एन० ए० वालों को भी इसी तरह की जमीनें दी गई हैं और उनकी हर तरह से मदद की गई । जितनी आई० एन० ए० वालों की मदद की गई है उतनी शायद किसी के लिये की गई हो। जिस तरह से सन् १९२० से इस देश में आजादी की लड़ाई में लोगों ने अपनी जानें दी हैं और नुकसान उठाया है अगर उसका अन्दाजा लगाया जाय तो करीब लाखों तक संख्या पहुंचेगी तो क्या हमारी गवर्नमेंट ने इन तमाम आजादी के लिए लड़ने वाले सिपाहियों के लिए किसी प्रकार की मदद पहुंचाई ?

[Shri Onkar Nath.]

गांधी जी के नेतृत्व में ३२ साल से करीब २॥ लाख आदमियों ने इस देश की आजादी के लिये हर तरह की कुरबानी की, जेल गये और हर प्रकार की मुसीबत सही और अब तक सहते चले आ रहे हैं। आज भी दिल्ली में वह लड़कियां मौजूद हैं, जो कि आज बड़ी हो गई हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में हर तरह की कुरबानी की और उनके पांव टूट गये। ऐसे लोग भी मौजूद हैं जिनके हाथ कट गये, ऐसे लोग भी मौजूद थे जिन्होंने हर प्रकार की मुबसीत को सहते हुए अपने प्राण देश की आजादी के लिए दे दिये और आज भी उनके बाल-बच्चे इस शहर में मौजुद हैं। क्या हम इसको पक्षपात नहीं कह सकते हैं। जिन गोरखे सिपाहियों ने पेशावर में अंग्रेजों के हुक्म को न मानकर अपने देशवासियों पर गोली चलाने से इन्कार कर दिया क्या वे कम बहादुर थे? बम्बई में जिन जहाज वालों ने सत्याग्रह किया था क्या वे बहादुर नहीं थे? क्या उनका यह मतलब है कि आई० एन० ए० वालों ने ही देश की आजादी में भाग लिया और दूसरे लोगों ने किसी प्रकार की कोई कुरबानी नहीं की। हम लोग आजादी की लड़ाई में पिछले कई सालों से और देश-वासियों के साथ कुरबानी करते आ रहे हैं।

SHRI C.G/K. REDDY: I: was also in your organisation.

SHRI ONKAR NATH :

श्री ओंकार नाथ : तो मैं यह कह रहा था कि हमारे देश में बहुत से ऐसे लोग अब भी हैं जिनको आजादी की लड़ाई में हर तरह की मुसीबत उठानी पड़ी और वह पड़े हुए हैं। मैं ३० साल से इस आजादी की लड़ाई में काम करता आ रहा हूं और स्वयं हर किस्म की मुसीबतें उठाई। आप को इसी दिल्ली शहर में बहुत से लोग ऐसे मिलेंगे जिन्होंने देश की आजादी के लिए कष्ट सहन किया होगा। यह ठीक है कि आई० एन० ए० वालों ने भी कष्ट सहन किया मगर बावजूद इसके कि गांधी जी ने इन लोगों के लिए नारा लगाया था, बावजूद इसके कि कांग्रेस ने इन लोगों के लिये नारा लगाया था और उनकी हर तरह से सहायता की गई, फिर आपका यह कहना कि इस गवर्नमेंट के दिल में उनकी कदर नहीं है और वह उन लोगों को हर तरह से सपरैस कर रही हैं एक गलत बात मालूम होती है। मि० रेड्डी का यह कहना मालूम पड़ता है कि यह सरकार दूसरे राजनैतिक कैदियों की तो सहायता कर रही है मगर आई० एन० ए० वालों की सहायता नहीं कर रही है। इस सरकार ने तो काफी आई० एन० ए० वालों की सहायता की है और सिर्फ ५ फीसदी ऐसे होंगे जिनकी सहायता न की हो या जो किसी तरह से रह गये हों। मगर जो हमारे दूसरे राजनैतिक सिपाही हैं जिनकी तादाद लाखों में है उनको १० फीसदी भी लाभ नहीं पंहुचाया गया है। जालियाना बाग में गोली चली और १५०० आदमी मारे गये, क्या आप यह चाहते हैं कि उनके बाल-बच्चों की किसी प्रकार की सहायता न की जाय?

SHRI C. G. K. REDDY : Is it our contention that they should not be rewarded, that we should forget the other martyrs ?

SHRI ONKAR NATH :

श्री ओंकार नाथ : मैं अर्ज करना चाहता हूं कि कि सेन्ट्रल गवर्नमेंट (Central Government) ने इन लोगों की मदद नहीं की यह गलत बात है। उसने अपनी ओर से जितना हो सकता है मदद की जैसा प्रधान मंत्री जी ने आपके सामने बयान किया। उनकी मदद करना यह एक स्टेट सबजैक्ट (State subject)